Sanskrit

Undergraduate Syllabus

Session

2013 – 2016

RANCHI WOMEN'S COLLEGE,

RANCHI

(Autonomous College)

Constituent Unit

of

Ranchi University, Ranchi

N.B. - No Change in Syllabus

12/2/16

संस्कृत–विभाग

राँची विमेंस कॉलेज

राँची, झारखण्ड

(राँची विश्वविद्यालय की अंङ्गीभूत स्वायत्त इकाई)

पाठ्यक्रम

स्नातक प्रतिष्ठा अनुपूरक एवं सामान्य

Courses of Studies

for

B.A. (Sanskrit Hons./Subs./Gen.)

12.8.13 12.8.13 12.8.13

PAPER WISE DISTRIBUTION OF MARKS (HONS.)

Academic Year	Semester	Theory Paper	Full Marks			Pass Marks	Duration
			MSE	ESE	TOTAL		
First year	I	1	20	80	100	45	3 Hrs.
		2	20	80	100	45	3 Hrs.
	II	3	20	80	100	45	3 Hrs.
		4	20	80	100	45	3 Hrs.
Second Year	III	5	20	80	100	45	3 Hrs.
		6	20	80	100	45	3 Hrs.
	IV	7	20	80	100	45	3 Hrs.
		8	20	80	100	45	3 Hrs.
Third Year	V	9	20	80	100	45	3 Hrs.
		10	20	80	100	45	3 Hrs.
		11	20	80	100	45	3 Hrs.
		12	20	80	100	45	3 Hrs.
	VI	13	20	80	100	45	3 Hrs.
		14	20	80	100	45	3 Hrs.
		15	20	80	100	45	3 Hrs.
		16	20	80	100	45	3 Hrs.

12.8.13 12.8.13 12.8.13

राँची वीमेंस कॉलेज, राँची

(राँची विश्वविद्यालय की अङ्गीभूत स्वायत्त इकाई)

पाठ्यक्रम सारांश–स्नातक प्रतिष्ठा (संस्कृत)

प्रथम वर्ष (प्रथम समसत्र)

पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक–45

प्रथम सत्र

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास (सामान्य परिचय) 80 अंक
   (रामायण, महाभारत, महाकाव्य, नाट्य साहित्य एवं गद्यकाव्य)
   मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंक

द्वितीय पत्र

1. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास (सामान्य परिचय) 80 अंक
   (दर्शनशास्त्र एवं व्याकरणशास्त्र)
   मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंक

द्वितीय समसत्र

पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक–45

तृतीय पत्र

1. मेघदूतम् (पूर्वमेघः) (1–20 श्लोक पर्यन्त) कालिदासकृत् 40 अंक
2. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) 1–30 श्लोक पर्यन्त भारविकृत्
   (वनेचर उक्ति पर्यन्त) 40 अंक

   मध्यसमस्त्र परीक्षा 20 अंक

पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक–45

चतुर्थ पत्र

1. रघुवंशम् (द्वितीय सर्गः) 1–30 श्लोक पर्यन्त, कालिदासकृत् 40 अंक
2. शिशुपालवधम् (प्रथम सर्गः) 1–30 श्लोक पर्यन्त, माघकृत् 40 अंक

   मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंक

12.8.13 12.8.13 12-8-13

द्वितीय वर्ष

तृतीय समसत्र

पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक–45

पंचम पत्र

1. शुकनासोपदेशः (कादम्बर्या) बाणभट्टकृत — 40 अंक
2. श्रीमद भगवद्गीता (द्वितीयो अध्यायः) 1–20 श्लोकपर्यन्त — 40 अंक

मध्य समसत्र परीक्षा — 20 अंक

पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक–45

षष्ठ पत्र

1. अभिज्ञानशाकुन्तमल् (प्रथम से तृतीय अंक तक) कालिदासकृत् — 40 अंक
2. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीयो अध्यायः) 21–38 श्लोकपर्यन्त — 40 अंक

मध्य समसत्र परीक्षा — 20 अंक

चतुर्थ समसत्र

पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक–45

सप्तम पत्र

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – (चतुर्थ से सप्तम अंक तक) कालिदासकृत् — 40 अंक
2. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीयो अध्यायः) 39–72 श्लोकपर्यन्त — 40 अंक

मध्य समसत्र परीक्षा — 20 अंक

पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक–45

अष्टम् पत्र

1. स्वप्नवासवदत्तम् (संपूर्ण) भासकृत् — 80 अंक

मध्य समसत्र परीक्षा — 20 अंक

12.8.13 12.8.13 12.8.13

तृतीय वर्ष
पंचम समसत्र

पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक–45

नवम् पत्र

1.	कठोपनिषद् (प्रथमो अध्यायः)	80 अंक
	मध्य समसत्र परीक्षा	20 अंक

पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक–45

दशम् पत्र

1.	काव्य दीपिका (काव्य–दोष प्रकरण छोड़कर)	60 अंक
2.	अलंकार (काव्य दीपिका के अनुसार) (अनुप्रास, यमक, श्लेष, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, व्यतिरेक, अर्थान्तरन्यास, दीपक, समासोक्ति, काव्यलिङ्ग, विभावना, विशेषोक्ति, निदर्शना एवं दृष्टान्त)	20 अंक
	मध्य समसत्र परीक्षा	20 अंक

पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक–45

एकादश पत्र

1.	समास प्रकरण (अव्ययीभाव, तत्पुरूष)	60 अंक
2.	पारिभाषिक शब्द (प्रातिपदिक, सम्प्रसारण, संहिता, गुण, वृद्धि, नदी, घि, उपधा, अपृक्त, गति, पद, विभाषा, सवर्ण, टि, प्रगृह्य, सर्वनामस्थान, लोप, निष्ठा)	20 अंक
	मध्य समसत्र परीक्षा	20 अंक

पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक–45

द्वादश पत्र

1.	समास प्रकरण (बहुब्रीहि, द्वन्द्व)	60 अंक
2.	कारक संधि–सामान्य परिचय	20 अंक
	मध्य समसत्र परीक्षा	20 अंक

Mina Sh——
12.8.13

12.8.13

N. Pathak
12.8.13

षष्ठ समसत्र

पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक–45

त्रयोदश पत्र

1. स्नातक वैदिक भाष्य संग्रह (डॉ0 जयनारायण पाण्डेयकृत्) — 80 अंक
   मध्य समसत्र परीक्षा — 20 अंक

पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक–45

चतुर्दश पत्र

1. भाषा विज्ञान — 60 अंक
   (भाषा की उत्पत्ति, भाषा की परिभाषा, भाषा एवं बोली में अंतर, भाषा की विशेषताएँ एवं अर्थ विज्ञान)
2. वृत्तरत्नाकर : भट्टकेदारकृत — 20 अंक
   (आर्या, अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, भुजङ्गप्रयात, वंशस्थ, वसन्ततिलका, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित एवं स्त्रग्धरा)
   मध्य समसत्र परीक्षा — 20 अंक

पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक–45

पञ्चदश पत्र

1. वेदांगो का सामान्य परिचय — 40 अंक
2. संस्कृत पत्र–लेखन — 40 अंक
   मध्य समसत्र परीक्षा — 20 अंक

पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक–45

षोडश पत्र

1. अनुवाद और संस्कृत निबन्ध — 60 अंक
2. अपठित गद्यांश — 20 अंक
   मध्य समसत्र परीक्षा — 20 अंक

12.8.13 12.8.13 12.8.13

राँची वीमेंस कॉलेज, राँची

(राँची विश्वविद्यालय की अङ्गीभूत स्वायत्त इकाई)

पाठ्यक्रम सारांश–स्नातक (संस्कृत)

अनुपूरक एवं सामान्य

प्रथम वर्ष (प्रथम समसत्र)

पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक–33

प्रथम सत्र

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास (रामायण, महाभारत) — 40 अंक
2. मेघदूतम् (पूर्वमेघ–उज्जयिनीवर्णन पर्यन्त) — 60 अंक

द्वितीय समसत्र

पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक–33

द्वितीय पत्र

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास (महाकाव्य, नाटक) — 40 अंक
2. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग–युधिष्ठिर वनेचर संवाद) — 60 अंक

(द्वितीय वर्ष)

तृतीय समसत्र

पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक–33

तृतीय पत्र

1. नीतिशतकम् (1–25 श्लोक) — 60 अंक
2. सन्धि (लघुसिद्धान्त कौमुदी) — 40 अंक

चतुर्थ समसत्र

पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक–33

चतुर्थ पत्र

12.8.13 12.8.13 12.8.13

1. हितोपदेश (मित्रलाभ) — 60 अंक
2. कारक (लघुसिद्धान्तकौमुदी) — 40 अंक

(तृतीय वर्ष) (केवल सामान्य के लिए)

पंचम समसत्र

पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक–33

पंचम पत्र

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1 से 3 अंक तक) — 60 अंक
2. अनुवाद (संस्कृत से हिन्दी, हिन्दी से संस्कृत) — 30 अंक
3. अनुच्छेद लेखन — 10 अंक

षष्ठ समसत्र

पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक–33

षष्ठ पत्र

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4 से 5 अंक तक) — 60 अंक
2. अशुद्धि संशोधन — 12 अंक
3. पत्र–लेखन — 16 अंक
4. अपठित गद्यांश — 12 अंक

12.8.13 12.8.13 12.8.13

राँची वीमेंस कॉलेज, राँची
(राँची विश्वविद्यालय की अंङ्गीभूत स्वायत्त इकाई)
पाठ्यक्रम – स्नार्त्तक प्रतिष्ठा (संस्कृत)
प्रथम वर्ष
प्रथम समसत्र (1st Semester)

प्रथम पत्र

I) संस्कृत साहित्य का इतिहास (सामान्य परिचय), 80 अंक
(रामायण, महाभारत, महाकाव्य, नाट्य साहित्य, गद्यकाव्य एवं पुराण)

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन –

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंकों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अंकों की (परीक्षावधि – 3 घण्टे)

(क) दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 2 x 10 = 20

(ख) तीन आलोचनात्मक प्रश्न – 16 x 3 = 48

(ग) दो टिप्पणियाँ – 6 x 2 = 12

अनुशंसित पुस्तकें –

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
2. **संस्कृत साहित्य का इतिहास** – वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. **संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास** – डॉ॰ बाबूराम त्रिपाठी, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
4. **संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास** – डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, राम नारायण लाल विजय कुमार, इलाहाबाद
5. संस्कृत ललित साहित्य का इतिहास – कुँवरलाल व्यास शिष्य, इतिहास विद्या प्रकाशन, दिल्ली
6. **संस्कृत साहित्य की प्रवृत्तियाँ** – डॉ॰ जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

कुल व्याख्यान – 80

पूर्णांक – 100 (80+20)

उत्तीर्णांक – 45

द्वितीय पत्र

संस्कृत शास्त्रों का इतिहास (सामान्य परिचय) 80 अंक

(दर्शनशास्त्र और व्याकरणशास्त्र)

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन –

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंकों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अंकों की (परीक्षावधि – 3 घण्टे)

(क)	दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	2 x 10 = 20
(ख)	तीन आलोचनात्मक प्रश्न	–	16 x 3 = 48
(ग)	दो टिप्पणियाँ	–	6 x 2 = 12

अनुशंसित पुस्तकें –

1. **भारतीय दर्शन की रुपरेखा** – प्रो॰ हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
2. **भारतीय दर्शन** – डॉ॰ न॰ क॰ देवराज, उत्तरप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादगी, लखनऊ
3. **संस्कृत शास्त्रों का इतिहास** – आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
4. **भारतीय दर्शन – आलोचना और अनुशीलन** – चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
5. **सर्वदर्शन संग्रह** – माधवाचार्य कृत, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

कुल व्याख्यान – 80
पूर्णांक – 100 (80+20)
उत्तीर्णांक – 45

द्वितीय समसत्र (2nd Semester)

तृतीय पत्र

1. मेघदूतम् (पूर्वमेघः) – कालिदासकृतम् (1-20) 40 अंक (व्याख्यान – 40)
2. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्गः) – भारविकृतम् (1-30) 40 अंक (व्याख्यान – 40)

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन –

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंकों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अंकों की (परीक्षावधि – 3 घण्टे)

1. मेघदूतम्

(क)	पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	2	x 5	=	10
(ख)	एक आलोचनात्मक प्रश्न	–	12	x 1	=	12
(ग)	एक श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या	–	10	x 1	=	10
(घ)	एक श्लोक का हिन्दी में अनुवाद	–	8	x 1	=	08

2. किरातार्जुनीयम्

(क)	पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	2	x 5	=	10
(ख)	एक आलोचनात्मक प्रश्न	–	12	x 1	=	12
(ग)	एक श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या	–	10	x 1	=	10
(घ)	एक श्लोक का हिन्दी में अनुवाद	–	8	x 1	=	08

अनुशंसित पुस्तकें –

1. **मेघदूत – एक अनुचिन्तन** – डॉ॰ श्रीरन्जन सूरिदेव, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
2. **मेघदूत (पूर्वमेघ)** – डॉ॰ विष्णुदेव शर्मा, प्रत्यूष प्रकाशन, कानपुर
3. **The Meghdoota of Kalidas** – M. R. Kale, Motilal Banarsidas, Varanasi
4. **मेघदूतम्** – आचार्य शेषराज शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. **किरातार्जुनीयम् (प्रथमसर्ग)** – पं॰ बेणीमाधव सदाशिवशास्त्री मुसलगॉवकर, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
6. **किरातार्जुनीयम् (प्रथमसर्ग)** – डॉ॰ उमेशचन्द्र पाण्डेय, प्राच्य भारती प्रकाशन, गोरखपुर
7. **किरातार्जुनीयम्** – बनेश्वर पाठक, ज्योति प्रकाशन, राँची
8. **किरातार्जुनीयम्** – अखिलेश पाठक, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ

कुल व्याख्यान – 80

पूर्णांक – 100 (80+20)

उत्तीर्णांक – 45

चतुर्थ पत्र

1. रघुवंशम् (द्वितीय सर्गः) – कालिदास कृत (1-30) 40 अंक (व्याख्यान – 40)
2. शिशुपालवध (प्रथम सर्गः) – माघ कृत (1-30) 40 अंक (व्याख्यान – 40)

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन –

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंकों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अंकों की (परीक्षावधि – 3 घण्टे)

1. रघुवंशम्
   - (क) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 2 x 5 = 10
   - (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न – 12 x 1 = 12
   - (ग) एक श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या – 10 x 1 = 10
   - (घ) एक श्लोक का हिन्दी में अनुवाद – 8 x 1 = 08
2. शिशुपालवध
   - (क) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 2 x 5 = 10
   - (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न – 12 x 1 = 12
   - (ग) एक श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या – 10 x 1 = 10
   - (घ) एक श्लोक का हिन्दी में अनुवाद – 8 x 1 = 08

अनुशंसित पुस्तकें –

1. **शिशुपालवधम्** (प्रथम सर्गः) – आचार्य कृष्ण मुरारी अवस्थी, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
2. **शिशुपालवधम्** (प्रथम सर्गः) – डॉ॰ पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
3. **शिशुपालवधम्** (प्रथम सर्गः) – श्री तारिणीश झा, रामनारायण बेनीमाधव, इलाहाबाद
4. **शिशुपालवधम्** – जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
5. **शिशुपालवधम्** – श्री जगन्नाथ शास्त्री तैलंग, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
6. **रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग)** – रामकृष्ण शुक्ल, रामनारायण बेनीप्रसाद, इलाहाबाद
7. **रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग)** – डॉ॰ आरती अग्रवाल, राजीव प्रकाशन, इलाहाबाद
8. **रघुवंशम्** – डॉ॰ रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

द्वितीय वर्ष

तृतीय समसत्र (3rd Semester)

कुल व्याख्यान – 80

पूर्णांक – 100 (80+20)

उत्तीर्णांक – 45

पंचम पत्र

1. शुकनासोपदेशः (कादम्बर्याः) – बाणभट्ट कृत् — 40 अंक
2. भगवद्गीता (द्वितीयोऽध्यायः) – श्लोकसङ्ख्या 1–20 — 40 अंक

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन –

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंकों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अंकों की (परीक्षावधि – 3 घण्टे)

1. शुकनासोपदेशः
   - (क) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 2 x 5 = 10
   - (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न – 12 x 1 = 12
   - (ग) एक श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या – 10 x 1 = 10
   - (घ) एक श्लोक का हिन्दी में अनुवाद – 8 x 1 = 08
2. भगवद्गीता
   - (क) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 2 x 5 = 10
   - (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न – 12 x 1 = 12
   - (ग) एक श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या – 10 x 1 = 10
   - (घ) एक श्लोक का हिन्दी में अनुवाद – 8 x 1 = 08

अनुशंसित पुस्तकें –

1. **शुकनासोपदेशः** – देवेन्द्रमिश्र, राम नारायणलाल बेनी प्रसाद, इलाहाबाद
2. **शुकनासोपदेशः** – आचार्य रामनाथ सुमन, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
3. **शुकनासोपदेशः** – डा॰ रमेश कुमार झा, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
4. **कादम्बरी (शुकनासोपदेशः)** – रामपाल शास्त्री, चौखम्बा ओरियण्टालिया, वाराणसी
5. **श्रीमद्भगवद्गीता** – शाङ्करभाष्य, हिन्दी अनुवाद सहित, गीता प्रेस, गोरखपुर
6. **श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितरयोऽध्यायः)** – आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सूरभारती प्रकाशन, वाराणसी

कुल व्याख्यान – 80

पूर्णांक – 100 (80+20)

उत्तीर्णांक – 45

षष्ठम पत्र

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (प्रथम से तृतीय अंक तकः) – कालिदास कृत् 40 अंक
2. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीयोऽध्यायः) – श्लोकसङ्ख्या 21–38 तक 40 अंक

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन –

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अंको की (परीक्षावधि – 3 घण्टे)

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम्
   - (क) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 2 x 5 = 10
   - (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न – 12 x 1 = 12
   - (ग) एक श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या – 10 x 1 = 10
   - (घ) एक श्लोक का हिन्दी में अनुवाद – 8 x 1 = 08
2. भगवद्गीता
   - (क) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 2 x 5 = 10
   - (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न – 12 x 1 = 12
   - (ग) एक श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या – 10 x 1 = 10
   - (घ) एक श्लोक का हिन्दी में अनुवाद – 8 x 1 = 08

अनुशंसित पुस्तकें –

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डॉ॰ सुरेन्द्रदेव शास्त्री, राम नारायणलाल बेनी प्रसाद, इलाहाबाद
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, राम नारायणलाल बेनी प्रसाद, इलाहाबाद
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – सुबोधचन्द्र पन्त, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
4. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डॉ॰ जमुना पाठक, श्री घनश्याम दास एण्ड सन्स, फैजाबाद
5. कालिदास और अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डॉ॰ जय किशन प्रसाद, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
6. **Works of Kalidasa, Vol. I** – C. R. Devdhar, Motilal Banarsidas, Varanasi
7. श्रीमद्भगवद्गीता – शाङ्करभाष्य, हिन्दी अनुवाद सहित, गीता प्रेस, गोरखपुर
8. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितरयोऽध्यायः) – आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सूरभारती प्रकाशन, वाराणसी

चतुर्थ समसत्र (4th Semester)

कुल व्याख्यान – 80

पूर्णांक – 100

उत्तीर्णांक – 45

सप्तम पत्र

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ से सप्तम अंक तक:) – कालिदास कृत् 40 अंक
2. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीयोऽध्याय:) – श्लोकसङ्ख्या 39–72 तक 40 अंक

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन –

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंकों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अंकों की (परीक्षावधि – 3 घण्टे)

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम्
   - (क) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 2 x 5 = 10
   - (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न – 12 x 1 = 12
   - (ग) एक श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या – 10 x 1 = 10
   - (घ) एक श्लोक का हिन्दी में अनुवाद – 8 x 1 = 08
2. भगवद्गीता
   - (क) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 2 x 5 = 10
   - (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न – 12 x 1 = 12
   - (ग) एक श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या – 10 x 1 = 10
   - (घ) एक श्लोक का हिन्दी में अनुवाद – 8 x 1 = 08

अनुशंसित पुस्तकें –

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – सुबोधचन्द्र पन्त, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
2. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितरयोऽध्याय:) – आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सूरभारती प्रकाशन, वाराणसी

कुल व्याख्यान – 80

पूर्णांक – 100

उत्तीर्णांक – 45

अष्टम् पत्र

स्वप्नवासवदत्तम् – भास कृत्

80 अंक

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन –

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अंको की. (परीक्षावधि – 3 घण्टे)

(क)	पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 2 x 5 = 10
(ख)	दो आलोचनात्मक प्रश्न	– 15 x 2 = 30
(ग)	दो पद्यों की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या	– 12 x 2 = 24
(घ)	दो पद्यों का हिन्दी में अनुवाद	– 8 x 2 = 16

अनुशंसित पुस्तकें –

1. स्वप्नवासवदत्तम् – प्रो॰ बनेश्वर पाठक, सुबोध ग्रंथमाला कार्यालय, राँची
2. स्वप्नवासवदत्तम् – प्रो॰ पी॰ पी॰ शर्मा, राम नारायणलाल बेनी प्रसाद, इलाहाबाद
3. स्वप्नवासवदत्तम् – पं॰ अनन्तराम शास्त्री बेताल, चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी
4. स्वप्नवासवदत्तम् – श्री शशिनाथ झा, नोवेल्टी एण्ड कम्पनी, पटना
5. Swapnavasavattam of Basa - M. R. Kale, Motilal Banarsidas, Varanasi

तृतीय वर्ष

पंचम समसत्र (5th Semester)

कुल व्याख्यान – 80

पूर्णांक – 100 (80+20)

उत्तीर्णांक – 45

नवम् पत्र

कठोपनिषद् (प्रथमोऽध्यायः)

80 अंक

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन –

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंकों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अंकों की (परीक्षावधि – 3 घण्टे)

(क)	पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 4 x 5 = 20
(ख)	दो आलोचनात्मक प्रश्न	– 12 x 2 = 24
(ग)	दो मंत्र की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या	– 10 x 2 = 20
(घ)	दो मंत्र का हिन्दी में अनुवाद	– 8 x 2 = 16

अनुशंसित पुस्तकें –

1. **कठोपनिषद्** – डॉ॰ सुरेन्द्रदेव शास्त्री, चौखम्बा सूरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. कठोपनिषद् – जगमोहन 'विकसित', प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
3. **कठोपनिषद् (प्रथमोऽध्यायः)** – डॉ॰ अखिलेश पाठक, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ

5th Semester

कुल व्याख्यान – 80

पूर्णांक – 100 (80+20)

उत्तीर्णाक – ~~45 36~~ 45

दशम् पत्र

1. काव्यदीपिका (काव्य – दोष प्रकरण छोड़कर) — 60 अंक
2. अलंकार (काव्य दीपिका के अनुसार) — 20 अंक

(अनुप्रास, यमक, श्लेष, रुपक, उत्प्रेना, अतिसयोक्ति, व्यतिरेक, अर्थान्तरन्यास, दीपक, समासोक्ति, काव्यलिंग, विभावना, ~~विसेषोक्ति~~ विरोधोक्ति, निदर्शना एवं ~~दृष्यन्त~~ दृष्टान्त)

प्रश्नों एवं अंको का विभाजन –

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंकों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अंकों की (परीक्षावधि – 3 घण्टे)

1. काव्यदीपिका
   - (क) दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न — 2 x 10 = 20
   - (ख) तीन आलोचनात्मक प्रश्न — 10 x 3 = 30
   - (ग) दो टिप्पणियाँ — 5 x 2 = 10
2. दो अलंकारों का लक्षण एवं उदाहरण — 10 x 2 = 20

अनुशंसित पुस्तकें –

1. काव्यदीपिका – डॉ॰ कृष्ण मुरारी त्रिपाठी, चौखम्बा सूरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. काव्यदीपिका – पं॰ रामगोविन्द शुक्ल, चौखम्बा संस्कृत सीरिज ऑफिस, वाराणसी
3. काव्यदीपिका – श्री परमेश्वररानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी

5th Semester

कुल व्याख्यान – 80

पूर्णांक – ~~100~~ 80+20

उत्तीर्णांक – ~~45~~ 36 45

एकादश पत्र

1. समास प्रकरण (अव्ययीभाव, तत्पुरुष) 60 अंक
2. पारिभाषिक शब्द 20 अंक

(प्रातिपदिक, सन्प्रसारण, संहिता, गुण, वृद्धि, नदी, घि, उपधा, अपृक्त, गति, पद, विभाषा, सवर्ण, हि, प्रगृहय सर्वनामस्थान, लोप, निष्ठा)

प्रश्नों एवं अंको का विभाजन –

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अंको की (परीक्षावधि – 3 घण्टे)

1. समास प्रकरण
   - (क) दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 2 x 10 = 20
   - (ख) चार सूत्रों की व्याख्या – 5 x 4 = 20
   - (ग) चार समस्त पदों की सूत्रोल्लेख पूर्वक सिद्धि – 5 x 4 = 20
2. दो पारिभाषिक शब्दों का परिचय – 10 x 2 = 20

अनुशंसित पुस्तकें –

1. **वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी (समासप्रकरण)** – आचार्य जगदीशशास्त्री और श्रीमती मधुबाला शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
2. समासप्रकरणम् – डॉ॰ घनश्याम महतो, एस॰ के॰ बुक एजेन्सी, सरोवर विहार, दिव्यायन के पास मोराबादी, राँची
3. **वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी (आत्मनेपद, परस्मैपद, कृदन्त, कृत्यप्रकरणम सहितं संज्ञाविवेचनम्)** – डॉ॰ रामविलास चौधरी, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी

5th semester.

कुल व्याख्यान – 80

पूर्णांक – ~~100~~ 80+20

उत्तीर्णाक – ~~45~~ ~~36~~ 45

द्वादश पत्र

1. समास प्रकरण (बहुब्रीहि, द्वन्द) — 60 अंक

2. कारक संधि – सामान्य परिचय — 20 अंक

~~(प्रातिपदिक, सम्प्रसारण, संहिता, गुण, वृद्धि, नदी, घि, उपधा, अपृक्त, गति, पद, विभाषा, सवर्ण, टि, प्रगृह्य सर्वनामस्थान, लोप, निष्ठा)~~

प्रश्नों एवं अंको का विभाजन –

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अंको की (परीक्षावधि – 3 घण्टे)

1. समास प्रकरण

(क)	दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 2 x 10	= 20
(ख)	चार सूत्रों की व्याख्या	– 5 x 4	= 20
(ग)	चार समस्त पदों की सूत्रोल्लेख पूर्वक सिद्धि	– 5 x 4	= 20

2.

क)	कारक पर आधारित पाँच प्रश्न	– 2 x 5	= 10
ख)	सन्धि पर आधारित पाँच प्रश्न	– 2 x 5	= 10

अनुशंसित पुस्तकें –

1. **वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी (समासप्रकरण)** – आचार्य जगदीशशास्त्री और श्रीमती मधुबाला शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
2. **लघुसिद्धान्त कौमुदी** – श्री धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
3. **लघुसिद्धान्त कौमुदी** – श्री महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

षष्ठम् समसत्र (6th Semester)

कुल व्याख्यान – 80
पूर्णांक – 100 (80+20)
उत्तीर्णांक – 45

त्रयोदश पत्र

स्नातक वैदिक भाष्य संग्रह (डॉ॰ जयनारायण पाण्डेय) 80 अंक

प्रश्नों एवं अंको का विभाजन –

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अंको की (परीक्षावधि – 3 घण्टे)

(क)	दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 2 x 10 = 20
(ख)	एक देवता का परिचय	– 20 x 1 = 20
(ग)	दो मन्त्रों की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या	– 12 x 2 = 24
(घ)	दो मन्त्रों का हिन्दी में अनुवाद	– 8 x 2 = 16

अनुशंसित पुस्तकें –

1. **स्नातक वैदिक भाष्य संग्रह** – डॉ॰ जयनारायण पाण्डेय, सुबोध ग्रन्थमाला कार्यालय, राँची

कुल व्याख्यान – 80

पूर्णांक – 100 (80+20)

उत्तीर्णांक – 45

चतुर्दश पत्र

1. भाषा विज्ञान — 60 अंक

(भाषा की उत्पति, भाषा की परिभाषा, भाषा एवं बोली में अन्तर, भाषा की विशेषताएँ एवं अर्थ विज्ञान)

2. वृत्तरत्नाकरः (छंद) – भट्ट केदार कृतः — 20 अंक

(आर्या, अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, भुजंगप्रयात, पंशस्थ, पसन्ततिलका, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, रार्दूलविक्रीडित एवं स्त्रग्धरा)

प्रश्नों एवं अंको का विभाजन –

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अंको की (परीक्षावधि – 3 घण्टे)

1. भाषा विज्ञान
   - (क) दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 2 x 10 = 20
   - (ख) तीन आलोचनात्मक प्रश्न – 10 x 3 = 30
   - (ग) दो टिप्पणियाँ – 5 x 2 = 10
2. चार छंदो के लक्षण एवं उदाहरण – 5 x 4 = 20

अनुशंसित पुस्तकें –

1. **भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र** – डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. **भाषा विज्ञान** – डा॰ भोलानाथ तिवारी, किताब, महल प्रकाशन, इलाहाबाद
3. **भाषा विज्ञान की भूमिका** – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा॰ लि॰, 2/38, अन्सारी मार्ग, दरियागंज, नयी दिल्ली
4. **वृत्तरत्नाकरम्** – श्री धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
5. **वृत्तरत्नाकरम्** – श्री केदारनाथ शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी

कुल व्याख्यान – 80

पूर्णांक – 100 (80+20)

उत्तीर्णांक – 45

पंचदश पत्र

1. वेदाङ्गों का सामान्य परिचय — 40 अंक

2. संस्कृत पत्र–लेखन का विभाजन — 40 अंक

प्रश्नों एवं अंको का विभाजन –

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अंको की (परीक्षावधि – 3 घण्टे)

1. वेदाङ्गों का परिचय
   - (क) दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 2 x 10 = 20
   - (ख) किन्हीं दो वेदाङ्गको का परिचय – 10 x 2 = 20

2. (क) संस्कृत पत्र लेखन – 20 x 1 = 20
   - (ख) प्रत्यय चयन (दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न) – 2 x 10 = 20

अनुशंसित पुस्तकें –

1. **वैदिक साहित्य परिशीलन** – रजनीकान्त शास्त्री, किताब, महल प्रकाशन, इलाहाबाद
2. **वैदिक साहित्य का इतिहास** – डा॰ कर्ण सिंह, साहित्य भण्डार, मेरठ
3. संस्कृत निबन्ध रत्नाकर – डॉ॰ राजकिशोर सिंह एवं धमेन्द्रनाथ शास्त्री, प्रकाशन केन्द्र, रेलवे क्रासिंग, सीतापुर रोड, लखनऊ
4. संस्कृत निबन्धशतकम् – डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. वृहद्अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर नौटियाल 'हंस' शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी

कुल व्याख्यान – 80

पूर्णांक – 100 (80+20)

उत्तीर्णांक – 45

षोडश पत्र

1. अनुवाद और संस्कृत निबन्ध — 60 अंक

2. अपठित गद्यांश — 20 अंक

प्रश्नों एवं अंको का विभाजन –

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अंको की (परीक्षावधि – 3 घण्टे)

1. (क) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद – 20
   (ख) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद – 20
   (ग) एक निबंध (संस्कृत में) – 20
2. अपठित गद्यांश पर आधारित दस प्रश्न – 20

अनुशंसित पुस्तकें –

1. **रचनानुवाद कौमुदी** – डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. संस्कृत निबन्धान्नजलिः – रामजी उपध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. संस्कृत निबन्ध रत्नाकर – डॉ॰ राजकिशोर सिंह एवं धमेन्द्रनाथ शास्त्री, प्रकाशन केन्द्र, रेलवे क्रासिंग, सीतापुर रोड, लखनऊ
4. संस्कृत निबन्धशतकम् – डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

राँची विमेंस कॉलेज, राँची

(राँची विश्वविद्यालय की अंङ्गीभूत स्वायत्त इकाई)

पाठ्यक्रम – स्नातक (संस्कृत)

अनुप्रस्थ एवं स्वाभान्य प्रथम वर्ष

प्रथम समसत्र (1st Semester)

परीक्षावधि – 3 घण्टे

पूर्णांक – 100

उत्तीर्णांक – 33

प्रथम पत्र

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास (रामायण, महाभारत) — 40 अंक
2. मेघदूतम् (पूर्वमेघ, उज्जयिनी वर्णन पर्यन्त) — 60 अंक

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन –

समसत्रान्त परीक्षा 100 अंकों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अंकों की (परीक्षावधि – 3 घण्टे)

(i) संस्कृत साहित्य का इतिहास (रामायण) से दो आलोचनात्मक प्रश्न – 10 x 2 = 20

(ii) संस्कृत साहित्य का इतिहास (रामायण) से दो आलोचनात्मक प्रश्न – 10 x 2 = 20

(iii) मेघदूतम से दो पद्यों का हिन्दी में अनुवाद – 8 x 2 = 16

(iv) मेघदूतम से एक पद्य की सप्रसंग व्याख्या – 14 x 1 = 14

(v) मेघदूतम से दो आलोचनात्मक प्रश्न – 15 x 2 = 30

अनुशंसित पुस्तकें –

1. **मेघदूत** – डॉ॰ संसारचन्द्र तथा पं॰ मोहनदेव पन्त शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
2. **मेघदूत – एक अनुचिन्तन** – डॉ॰ श्रीरन्जन सूरिदेव, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
3. **मेघदूत** – डॉ॰ विजेन्द्र कुमार शर्मा, साहित्य भण्डार, मेरठ
4. **मेघदूतम्** – आचार्य शेषराज शर्मा, चौखम्बा सूरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. **The Meghdoota of Kalidas** – M. R. Kale, Motilal Banarsidas, Varanasi
6. **संस्कृत साहित्य का इतिहास** – आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
7. **संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास** – वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
8. **संस्कृत साहित्य का इतिहास** – आचार्य देवीशंकर मिश्र/राजकिशोर सिंह, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ

कुल व्याख्यान – 80
परीक्षावधि – 3 घण्ट
पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक – 33

द्वितीय समसत्र (2nd Semester)

द्वितीय पत्र

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास (महाकाव्य, नाटक) — 40 अंक
2. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्गः युधिष्ठिर – बनेचर संवाद) — 60 अंक

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन –

समसत्रान्त परीक्षा 100 अंकों की

(i) संस्कृत साहित्य का इतिहास (महाकाव्य) दो आलोचनात्मक प्रश्न – 10 x 2 = 20
(ii) संस्कृत साहित्य का इतिहास (नाटक) दो आलोचनात्मक प्रश्न – 10 x 2 = 20
(iii) किरातार्जुनीयम् से दो पद्यों का हिन्दी में अनुवाद – 8 x 2 = 16
(iv) किरातार्जुनीयम् से एक पद्य की सप्रसंग व्याख्या – 14 x 1 = 14
(v) किरातार्जुनीयम् से दो आलोचनात्मक प्रश्न – 15 x 2 = 30

अनुशंसित पुस्तकें –

1. **संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास** – डॉ॰ बाबूराम त्रिपाठी, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
2. संस्कृत साहित्य इतिहास – ए॰ बी॰ कीथ, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
3. **किरातार्जुनीयम्** – बनेश्वर पाठक, ज्योति प्रकाशन, राँची
4. किरातार्जुनीयम् (प्रथमसर्ग) – पं॰ बेणीमाधव सदाशिवशास्त्री मुसलगॉवकर, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
5. **किरातार्जुनीयम् (प्रथमसर्ग)** – डॉ॰ उमेशचन्द्र पाण्डेय, प्राच्य भारती प्रकाशन, गोरखपुर

द्वितीय वर्ष

तृतीय समसत्र (3rd Semester)

कुल व्याख्यान – 80
परीक्षावधि – 3 घण्ट
पूर्णांक – 100
उत्तीर्णाक – 33

तृतीय पत्र

1. नीतिशतकम् (1 – 25 श्लोक) — 60 अंक
2. सन्धि (लघुसिद्धांत कौमुदी) — 40 अंक

प्रश्नों एवं अंको का विभाजन –

समसत्रान्त परीक्षा 100 अंको की

1. (क) नीतिशतकम् से एक आलोचात्मक प्रश्न — 20 x 1 = 20
   (ख) नीतिशतकम् से दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या — 12 x 2 = 24
   (ग) नीतिशतकम् से दो पद्यों का हिन्दी में अनुवाद — 8 x 2 = 16

2. (क) चार सूत्रों सोदाहरण व्याख्या — 6 x 4 = 24
   (ख) चार — 4 x 4 = 16

अनुशंसित पुस्तकें –

1. **नीतिशतकम्** – कृष्णचन्द्र शुक्ल, रामनारायण लाल बेनी प्रसाद, इलाहाबाद
2. **नीतिशतकम्** – डॉ॰ श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
3. **नीतिशतकम्** – जनार्दनशास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
4. **नीतिशतकम्** – डॉ॰ बाबूराम त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
5. **लघुसिद्धान्त कौमुदी** – श्री धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
6. **लघुसिद्धान्त कौमुदी** – श्री महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
5. **लघुसिद्धान्त कौमुदी** – पं॰ रामचन्द्र झा, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी
6. **लघुसिद्धान्त कौमुदी** – धीरेश्वर झा "सुधीर", कल्पना प्रकाशन, खजांची रोड, पटना

चतुर्थ समसत्र (4th Semester)
अनुपूरक एवं सामान्य

कुल व्याख्यान – 80
परीक्षावधि – 3 घण्ट
पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक – 33

चतुर्थ पत्र

1. हितोपदेश (मित्रलाभ) — 60 अंक
2. कारक (लघुसिद्धांत कौमुदी) — 40 अंक

प्रश्नों एवं अंको का विभाजन –

समसत्रान्त परीक्षा 100 अंको की

1. हितोपदेश
   - (क) एक आलोचात्मक प्रश्न — – 20 x 1 = 20
   - (ख) हितोपदेश से दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या — – 12 x 2 = 24
   - (ग) हितोपदेश से दो पद्यों का हिन्दी में अनुवाद — – 8 x 2 = 16

अनुशंसित पुस्तकें –

1. हितोपदेश – आचार्य श्रीशेषराज शर्मा रग्मी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. हितोपदेश – नारायण शर्मा आचार्य "काव्यतीर्थ", निर्णयसागर मुद्रणालय, बम्बई
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी – श्री धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी

तृतीय वर्ष (सामान्य केवल)
पंचम समसत्र (5th Semester)

कुल व्याख्यान – 80
परीक्षावधि – 3 घण्ट
पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक – 33

पंचम पत्र

1.	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1 से 3 अंक तक)	60 अंक
2.	अनुवाद (संस्कृत से हिन्दी, हिन्दी से संस्कृत)	30 अंक
3.	अनुच्छेद लेखन	10 अंक

प्रश्नों एवं अंको का विभाजन –

समसत्रान्त परीक्षा 100 अंको की

1.	अभिज्ञानशाकुन्तलम् से दो आलोचात्मक प्रश्न	– 15 x 2 = 30
2.	अभिज्ञानशाकुन्तलम् से एक सप्रसंग व्याख्या	– 14 x 1 = 14
3.	अभिज्ञानशाकुन्तलम् से दो श्लोकों का अनुवाद	– 8 x 2 = 16
4.	संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद	– 15 x 1 = 15
5.	हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद	– 15 x 1 = 15
6.	अनुच्छेद लेखन	– 10 x 1 = 10

षष्टम् समसत्र (6th Semester)

कुल व्याख्यान – 80
परीक्षावधि – 3 घण्ट
पूर्णांक – 100
उत्तीर्णाक – 33

षष्ठम् पत्र

1.	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4 से 5 अंक तक)	60 अंक
2.	अशुद्धि संशोधन	12 अंक
3.	पत्र लेखन	16 अंक
4.	अपठित गद्यांश	12 अंक

प्रश्नों एवं अंको का विभाजन –
समसत्रान्त परीक्षा 100 अंको की

1.	अभिज्ञानशाकुन्तलम् से दो आलोचात्मक प्रश्न	– 15 x 2 = 30
2.	अभिज्ञानशाकुन्तलम् से एक पद्य की सप्रसंग व्याख्या	– 14 x 1 = 14
3.	अभिज्ञानशाकुन्तलम् से दो पद्यों का हिन्दी में अनुवाद	– 8 x 2 = 16
4.	अशुद्धि संशोधन	– 2 x 6 = 12
5.	पत्र लेखन (संस्कृत में)	– 16 x 1 = 16
6.	अपठित गद्यांश	– 12 x 1 = 12

अनुशंसित पुस्तकें –

1. **अभिज्ञानशाकुन्तलम्** – डॉ॰ सूरेन्द्र शास्त्री, रामनारायण बेनी प्रसाद, इलाहाबाद
2. **अभिज्ञानशाकुन्तलम्** – डॉ॰ कपिलदेव द्विठेदी, रामनारायण बेनी प्रसाद, इलाहाबाद
3. **अभिज्ञानशाकुन्तलम्** – सुबोधचन्द्र पन्त, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी
4. **अभिज्ञानशाकुन्तलम्** – डॉ॰ हरिदत्त शास्त्री, प्रो॰ शिवबालक द्विवेदी, ग्रन्थम, रामबाग, कानपुर
5. **वृहद्अनुवाद चन्द्रिका** – चक्रधर नौटियाल 'हंस' शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
6. **संस्कृत निबन्ध** रत्नाकर – देवकान्त झा, भारती भवन, दिल्ली
7. **संस्कृत सहचर** – आचार्य राधामोहन उपाध्याय, स्टूडेन्टस, फ्रेण्डस, पटना